C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी 'ब'

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:[10]

एक समय की बात है। कन्नौज में एक परोपकारी महात्मा रहते थे। वे नित्य लोगों को बुराईयों से दूर रहने का उपदेश दिया करते थे। उनकी वाणी का अच्छा प्रभाव होता था। लोग भी उनका मान-सम्मान करते थे। एक दिन वे नशे की बुराईयाँ लोगों को बतला रहे थे। भीड़ में से एक व्यक्ति बाहर निकला और बोला, महात्मन, मुझे अफ़ीम खाने की आदत है, मैं उसे छोड़ना चाहता हूँ, पर छूटती ही नहीं। क्या आप मुझे इसका कोई उपाय बतलाएँगे?

महात्मा ने कहा, अवश्य, तुम आज शाम को मेरे आश्रम पर आना, मैं तुम्हें इसकी तरकीब समझाऊँगा। शाम के समय जब वह व्यक्ति आश्रम पर पहुँचा तो महात्मा जी भजन में लगे थे। वह बैठकर प्रतीक्षा करने लगा। कुछ देर

बाद महात्मा जी निवृत्त हुए और उठकर इधर-उधर टहलने लगे। वह व्यक्ति भी महात्मा जी का अनुसरण करने लगा।

कुछ समय यों ही बीत गया। अधीरता-से उस व्यक्ति ने महात्मा जी से पूछा, महात्मा जी, मैं वह तरकीब पूछने आया हूँ जिससे अफ़ीम खाने की आदत छूट सके।

महात्मा जी ने एक दृष्टि उस व्यक्ति पर डाली और बोले, तो तुम सचमुच अफीम की आदत छोड़ना चाहते हो?

जी! उस आदमी का उत्तर था, मैं इससे बहुत परेशान और दु:खी हूँ।

ठीक! कहकर महात्मा जी ने एक लता को अपनी बाहु में लपेट लिया और बोले, मैं तुम्हें इसका उपाय कैसे बताऊँ यह लता तो मुझे छोड़ ही नहीं रही है। पहले तो वह आदमी भौंचक्का-सा होकर महात्मा जी को देखने लगा, फिर कुछ झिझककर बोला, महात्मन, क्षमा करें, क्या लता भी आदमी को पकड़ सकती है?

महात्मा बोले, अरे भाई ! मैं भी यही कहता हू कि क्या कोई भी बुराई आदमी को पकड़ सकती है? तुम दृढ़ संकल्प के साथ शराब को छोड़ो, तो छूटेगी कैसे नहीं!

आदमी ने महात्मा को प्रणाम किया और घर लौट गया।

1. कन्नौज में कौन रहते थे और वे क्या करते थे? एक दिन वे क्या बतला रहे थे?

   उत्तर : कन्नौज में एक परोपकारी महात्मा रहते थे। वे नित्य लोगों को बुराईयों से दूर रहने का उपदेश दिया करते थे। एक दिन वे नशे की बुराईयाँ लोगों को बतला रहे थे।

2. आदमी आश्रम में पहुँचकर किसका इंतजार करने लगा और क्यों?

उत्तर : आदमी आश्रम में पहुँचकर महात्मा जी के भजन से उठने का इंतज़ार करने लगा, क्योंकि वह उनसे अफ़ीम छोड़ने की तरकीब जानना चाहता था।

3. महात्मा जी ने लता को क्यों लपेट लिया तथा वे आए हुए आदमी को क्या समझाना चाहते थे?

उत्तर : महात्मा जी ने नशे की बुराईयों को अप्रत्यक्ष रूप से समझाने के लिए लता को लपेट लिया। इसके द्वारा वे समझाना चाहते थे कि बुराईयाँ इनसान को नहीं पकड़ती, बल्कि इनसान ही बुराईयों को पकड़ लेता है।

4. आदमी भौंचक्का क्यों रह गया?

उत्तर : महात्मा जी ने लता को अपने हाथ में लपेटकर कहा कि मैं तुम्हें तरकीब तो अवश्य बताता, पर इस लता ने मुझे पकड़ लिया है तथा छोड़ ही नहीं रही है। यह सुनकर आदमी भौंचक्का रह गया।

5. उपर्युक्त गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश से हमें शिक्षा मिलती है कि बुराईयाँ इनसान को नहीं पकड़ती बल्कि इनसान बुराईयों को पकड़ता है, तथा वह जब चाहे दृढ़-निश्चय के बल पर बुराई को छोड़ सकता है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'दृढ़ संकल्प' है।

खण्ड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द किसे कहते है? शब्द पद के रूप में कब बदल जाता है? [1]

उत्तर : शब्द वर्णों या अक्षरों के सार्थक समूह को कहते हैं।

उदाहरण के लिए क, म तथा ल के मेल से 'कमल' बनता है जो एक खास के फूल का बोध कराता है। अतः 'कमल' एक शब्द है। कमल की ही तरह 'लकम' भी इन्हीं तीन अक्षरों का समूह है किंतु यह किसी अर्थ का बोध नहीं कराता है। इसलिए यह शब्द नहीं है। इसका रूप भी बदल जाता है।

जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे शब्द न कहकर पद कहा जाता है।

प्र.3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। [3]

क) राधिका तब चली गई जब उसने थैला लिया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

उत्तर : मिश्र वाक्य

ख) बादल घिरते ही किसान नाचने लगा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : बादल घिरे और किसान नाचने लगा।

ग) अमित की कलम छूटी और गिर गई। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : अमित की कलम छूटकर गिर गई।

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- दोपहर
- नमक-मिर्च

समस्त पद	विग्रह	समास
दोपहर	दो पहरों का समूह	द्विगु समास
नमक-मिर्च	नमक और मिर्च	द्वंद्व समास

(ख) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। [2]

- पीत है अम्बर जिसका अर्थात् 'कृष्ण'
- मृत्यु तक

विग्रह	समस्त पद	समास
पीत है अम्बर जिसका अर्थात् 'कृष्ण'	पीताम्बर	बहुव्रीहि समास
मृत्यु तक	आमरण	अव्ययीभाव समास

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए: [4]

1. यह तो तुम जानते ही हैं।

   उत्तर : यह तो तुम जानते ही हो।

2. तुम मेरी सहायता कीजिए।

   उत्तर : तुम मेरी सहायता करो।

3. मैंने कमरे के पिछले खिड़की से झाँका।

   उत्तर : मैंने कमरे की पिछली खिड़की से झाँका।

4. सारी रात भर मैं पढ़ता रहा।

   उत्तर : मैं सारी रात पढ़ता रहा।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। [4]

1. आजकल के युवाओं के सामने तोलकर बोलना चाहिए।
2. तुम सदैव ढाक के तीन पात ही रहोगे या बदलोगे भी।
3. शरारती बच्चें शिक्षक की आँखों में धूल झोंककर भाग खड़े हुए।
4. बचपन से माता-पिता को अपने बच्चों में स्वाभिमान की भावना कूट-कूट कर भरनी चाहिए।

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=[6]

1. जापान में जहाँ चाय पिलाई जाती है, उस स्थान की क्या विशेषता है?

   उत्तर : जापान में जहाँ चाय पिलाई जाती है, वहाँ की सजावट पारम्परिक होती है। प्राकृतिक ढंग से सजे हुए इस छोटे से स्थान में केवल तीन लोग बैठकर चाय पी सकते हैं। वहाँ अत्यन्त शांति और गरिमा के साथ चाय पिलाई जाती है। शांति उस स्थान की मुख्य विशेषता है।

2. सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?

   उत्तर : सआदत अली और कर्नल दोस्त थे। सआदत अली को कर्नल पर विश्वास भी था। सआदत अली को ऐशों आराम की जिंदगी बिताना पसंद था इसलिए वह खुद तो ऐशो आराम की जिंदगी बिताएगा साथ ही दोस्त और विश्वासपात्र होने के कारण कर्नल की जिंदगी भी बड़े आराम से गुजरेगी। इस तरह सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का मकसद अवध की धन-दौलत पर कब्ज़ा करना था।

3. तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर : तताँरा दिनभर के अथक परिश्रम करने के बाद समुद्र किनारे टहलने निकलता है। उस समय सूरज डूबने का समय हो रहा था। समुद्र से ठंडी बयारें चल रही थी। पक्षियों के घोसलों में लौटने का समय भी हो चला था इसलिए उनकी आवाजें धीरे-धीरे कम हो गई थीं। सूरज की अंतिम किरणें समुद्र पर प्रतिबिम्ब अंकित कर रही थी।

4. बड़े भाई साहब उपदेश की कला में माहिर थे, पर छोटा भाई मेहनत से घबराता था, उसे क्या अच्छा लगता था।

उत्तर : बड़े भाई होने के नाते वे छोटे भाई पर अपना अधिकार समझते इसलिए वे हर समय अपने छोटे भाई को पढ़ाई करने,व्यर्थ खेलकूद में समय न गँवाने आदि उपदेश देते रहते थे।
छोटा भाई प्रतिभाशाली तो था परंतु निरंतर पढ़ाई करना उसके वश की बात नहीं थी। उसे तो खुली हवा में कनकौए उड़ाना और उन्हें लूटना, गप्पबाजी करना ज्यादा पसंद था।

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : पर्यावरण असंतुलित होने का सबसे बड़ा कारण आबादी का बढ़ना है। बढ़ती आवास की समस्या से निपटने के लिए मानव ने समुद्र की लहरों तक को सीमित कर दिया है। समुद्र के रेतीले तटों को भी मानवों ने नहीं छोड़ा है वहाँ पर भी इंसानों ने बस्ती बसा दी है। आसपास के जंगल काट-काटकर नष्ट कर डाले हैं। पेड़ो को रास्तों से हटा दिया। परिणामस्वरूप पशु-पक्षी के लिए आवास ही

नहीं बचे हैं। प्राकृतिक आपदाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। कहीं भूकंप, कहीं बाढ़, कहीं तूफान, कभी गर्मी, कभी तेज़ वर्षा इन के कारण कई बीमारियाँ हो रही हैं। इस तरह पर्यावरण के असंतुलन का जन जीवन तथा पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

2. सुभाष चंद्र बोस के जुलूस में स्त्रियों की क्या भूमिका थी? 'डायरी का पन्ना' पाठ के आधार पर लिखें।

   उत्तर : सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की विशेष और बड़ी अहम् भूमिका रही है। स्त्रियों ने अपने-अपने तरीकों से जुलूस निकाला। जानकी देवी और मदालसा बजाज जैसी स्त्रियों ने जुलूस का सफल नेतृत्व किया। झंडोत्सव में पहुँचकर मोनुमेंट की सीढ़ियों पर चढ़कर झंडा फहराकर घोषणापत्र पढ़ा। करीब 105 स्त्रियों ने पुलिस को अपनी गिरफ्तारी दी और अंग्रेजों के अत्याचार का सामना किया।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। 2+2+2=[6]

1. मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है?

   उत्तर : मीठी वाणी का प्रभाव चमत्कारिक होता है। मीठी वाणी जीवन में आत्मिक सुख व शांति प्रदान करती है। मीठी वाणी मन से क्रोध और घृणा के भाव नष्ट हो जाते हैं। इसके साथ ही हमारा अंत:करण भी प्रसन्न हो जाता है। प्रभाव स्वरुप औरों को सुख और शीतलता प्राप्त होती है। मीठी वाणी के प्रभाव से मन में स्थित शत्रुता, कटुता व आपसी ईर्ष्या-द्वेष के भाव समाप्त हो जाते हैं।

2. पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

उत्तर : मीरा श्रीकृष्ण को सम्बोधित करते हुए कहती हैं कि हे श्रीकृष्ण आप सदैव अपने भक्तों की पीड़ा दूर करते हैं। प्रभु जिस प्रकार आपने द्रौपदी का वस्त्र बढ़ाकर भरी सभा में उसकी लाज रखी, नरसिंह का रुप धारण करके हिरण्यकश्यप को मार कर प्रह्लाद को बचाया, मगरमच्छ ने जब हाथी को अपने मुँह में ले लिया तो उसे बचाया और पीड़ा भी हरी। हे प्रभु! इसी तरह मुझे भी हर संकट से बचाकर पीड़ा मुक्त करो। मीरा सांसारिक बंधनों से मुक्ति के लिए भी विनती करती हैं।

3. क्या कर चले हम फ़िदा गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है?

उत्तर : हाँ, इस गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। यह गीत सन् 1962 के भारत-चीन युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर लिखा गया है। चीन ने तिब्बत की ओर से आक्रमण किया और भारतीय वीरों ने इस आक्रमण का मुकाबला वीरता से किया। इसी युद्ध की पृष्ठभूमि पर चेतन आनंद ने 'हकीकत' फिल्म बनाई थी। यह गीत इसी फिल्म के लिए लिखा गया था।

4. 'मनुष्यता' कविता में कवि ने सबको एक साथ एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है? इसके क्या लाभ है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा इसलिए दी है, क्योंकि एकता में बल होता है। मैत्री भाव से आपस में मिलकर रहने से सभी कार्य सफल होते हैं, ऊँच-नीच, वर्ग भेद नहीं रहता। सभी एक पिता परमेश्वर की संतान हैं। अतः सब एक हैं। इसलिए सभी को

प्रेम भाव से रहना चाहिए, सहायता करनी चाहिए, एक होकर चलना चाहिए।

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. आत्मत्राण शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : आत्मत्राण का अर्थ है आत्मा का त्राण अर्थात् आत्मा या मन के भय का निवारण, उससे मुक्ति। त्राण शब्द का प्रयोग इस कविता के संदर्भ में बचाव, आश्रय और भय निवारण के अर्थ में किया जा सकता है। कवि चाहता है कि जीवन में आने वाले दुखों को वह निर्भय होकर सहन करे। दुख न मिले ऐसी प्रार्थना वह नहीं करता बल्कि मिले हुए दुखों को सहने, उसे झेलने की शाक्ति के लिए प्रार्थना करता है। कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उसका बल पौरुष न हिले, वह सदा बना रहे और कोई भी कष्ट वह धैर्य से सह ले इसलिए यह शीर्षक पूर्णतया सार्थक है।

2. शाल-वृक्षों के डरने का कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : कवि ने अनुसार वर्षा इतनी तेज और मूसलाधार कि ऐसा लगता था मानो आकाश धरती पर टूट पड़ा हो। चारों ओर कोहरा छा जाता है, पर्वत, झरने आदि सब अदृश्य हो जाते हैं। ऐसा लगता है मानो तालाब में आग लग गई हो। चारों तरफ धुआँ-सा उठता प्रतीत होता है। वर्षा के ऐसे भयंकर रूप को देखकर उच्च-आकांक्षाओं से युक्त विशाल शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में धँस हुए प्रतीत होते हैं।

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती-सपनों के से दिन पाठ के किस अंश से यह सिद्ध होता हैं।

   उत्तर : कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती-पाठ के इस अंश से यह सिद्ध होता हैं - इस पाठ में लेखक ने बचपन की घटना को बताया है कि उनके आधे से ज्यादा साथी कोई हरियाणा से, कोई राजस्थान से है। सब अलग-अलग भाषा बोलते हैं, उनके कुछ शब्द सुनकर तो हँसी ही आ जाती थी परन्तु खेलते समय सब की भाषा सब समझ लेते थे। उनके व्यवहार में इससे कोई अंतर न आता था। क्योंकि बच्चे जब मिलकर खेलते हैं तो उनका व्यवहार, उनकी भाषा अलग होते हुए भी एक ही लगती है। भाषा अलग होने से आपसी खेल कूद, मेल मिलाप में बाधा नहीं बनती।

2. 'संपत्ति के लिए अपने भी पराये बन जाते हैं' 'हरिहर काका' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।

   उत्तर : हरिहर काका की कहानी के आधार पर यदि रिश्तों को परखा जाय तो ये बात उचित लगती है। काका की पंद्रह बीघे जमीन के लिए घरवाले और ठाकुरबाड़ी के महंत भी पीछे पड़ जाते हैं। काका की संपत्ति पाने के लिए घरवाले और ठाकुरबारी के महंत भी उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं। सभी की नजर उनकी जमीन पर लगी रहती है। घरवाले और महंत अपने-अपने तरीकों से काका की जमीन अपने नाम करवाने का प्रयास करते हैं। उनके इस प्रयास में वे काका को डराने,धमकाने, जोर जबदस्ती और हाथापाई पर भी उतर आते हैं।

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र. 12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

विज्ञान के चमत्कार

आज का युग विज्ञान का युग है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान ने एक क्रांति पैदा कर दी है। विज्ञान का अर्थ है विशेष ज्ञान। मनुष्य ने अपनी आवश्यकताओं के लिए जो नए-नए आविष्कार किए हैं, वे सब विज्ञान की ही देन हैं।

बिजली की खोज विज्ञान की एक बहुत बड़ी सिद्धि है। आज मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से कई बड़े क्षेत्रों में सफलता पाई है जैसे कि चिकित्सा, सूचना क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, यातायात आदि।

यातायात- संबंधी वैज्ञानिक आविष्कारों ने संसार को एकदम छोटा कर दिया है। पहले जहाँ मानव को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में कई-कई वर्ष लग जाते थे वहीं आज मानव कई मीलों की दूरियों को हेलीकॉप्टर, हवाई जहाज, कार आदि द्वारा कम समय में पार कर लेता है। आज रेडियो, टेलीविजन, डीवीडी प्लेयर, थ्रीडी सिनेमा, कम्प्यूटर, इंटरनेट आदि ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें विज्ञान द्वारा मनुष्य के मनोरंजन के लिए उपलब्ध कराया है। मोबाइल, इंटरनेट, ईमेल्स, मोबाइल पर 3जी और इंटरनेट के माध्यम से फेसबुक, ट्विटर ने तो वाकई मनुष्य की जिंदगी को बदलकर ही रख दिया है। चिकित्सा और कृषि के क्षेत्रों में भी नई नई खोजों से बहुत लाभ हुआ है। विज्ञान द्वारा खाद व उपकरण, खाद्य पदार्थ, वाहन, वस्त्र आदि बनाने के असीमित कारखानें हैं।

विज्ञान के युद्ध- विषयक अस्त्र शस्त्रों के आविष्कारों ने देश की सभ्यता और संस्कृति को खतरे में डाल दिया है। परमाणु बम और हाइड्रोजन बम भी

विज्ञान-की ही देन हैं। यह बहुत ही विनाशक हैं। विज्ञान का उपयोग विनाश के लिए नहीं, विकास के लिए होना चाहिए।

पुस्तकें पढ़ने की आदत

पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती है। आत्म उन्नति करनी है तो पुस्तक से बढ़कर कोई सहायक नहीं है। अभी कुछ वर्षों तक पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने के लिए अनूमन सभी समय निकाल ही लेते थे परन्तु हाल के कुछ वर्षों में लोगों की पढ़ने की आदत तकनीकी विकास के कारण कम होती जा रही है। बच्चों में भी पढ़ाई का बोझ कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। प्रतिस्पर्धा के इस युग में सभी आगे ही बढ़ना चाहते है इसलिए भी अब हल्की-फुल्की पुस्तकें लोग पढ़ना नहीं चाहते हैं। महानगरीय व्यस्तता भी इसका एक कारण है लोग इतना लंबा सफ़र कर घर पहुँचते हैं कि चाहकर भी वे अपनी पसंदीदा पुस्तक नहीं पढ़ पाते। परंतु पुस्तक पढ़ने से न केवल हमारे दिमाग का अभ्यास होता है बल्कि पुस्तकें हमारे तनाव को भी कम करती है। पढ़ने से मन को सुकून मिलता है फलस्वरूप नींद भी अच्छी आती है। पढ़ने से व्यक्ति की याददाश्त भी बढ़ती है। पुस्तकें ही मनुष्य के ज्ञान के साथ चरित्र-निर्माण में अहम् भूमिका निभाती है।

यदि हिमालय न होता

हिमालय संस्कृत के 'हिम' तथा 'आलय' शब्दों से मिलकर बना है, जिसका शब्दार्थ 'बर्फ़ का घर' होता है। हिमालय भारत की धरोहर है। यह भारतवर्ष का सबसे ऊँचा पर्वत है। हिमालय हमारा सिर्फ पालक या प्रहरी ही नहीं है। न ही शांति, सुंदरता और रोमांच ही इसके मायने हैं। इन सबसे कहीं आगे हमारे अस्तित्व की सबसे बड़ी जरूरत है हिमालय। यदि हिमालय न होता तो उत्तर भारत की सुरक्षा कौन निभाता? यदि हिमालय न होता तो गंगा, यमुना, सिन्धु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियाँ कहाँ से निकलती? हिमालय की छाया में एवरेस्ट,

लान्स, नंदादेवी आदि इसके मुख्य हिम शिखर हैं। हिमालय भारत का पहरेदार है। यदि हिमालय न होता तो शत्रुओं से हमारी रक्षा कौन करता? हिमालय उत्तर के बर्फीले पवनों को भारत में प्रवेश करने से रोकता है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी पवन हिमालय की ऊँची पर्वत-श्रेणियों से टकराकर भारत में वर्षा करते हैं। यही वर्षा देश को कृषिप्रधान देश बनाती है। इस वजह से भारत को 'सोने की चिड़िया कहलाने का गौरव प्राप्त हुआ है।

पुराणों के अनुसार हिमालय मैना का पति और पार्वती का पिता है। गंगा इसकी सबसे बड़ी पुत्री है। भगवान शंकर का निवास कैलाश यहीं है। महाभारत के अनुसार पांडव स्वर्गारोहण के लिए यहीं आए थे। इस तरह हिमालय सदा से भारतीय संस्कृति, इतिहास और गौरव का साक्षी रहा है।

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. विद्यालय के प्रधानाचार्य को आर्थिक सहायता या छात्रवृति के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

सेवा में,

प्रधानाचार्य

लोकमान्य विद्या निकेतन

इन्दौर

दिनाँक: 15 अप्रैल, 20 xx

विषय - छात्रवृति के लिए प्रार्थना।

मान्यवर महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा आठवी 'ब' की छात्रा हूँ। गत वर्ष से मेरे पिताजी का स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण उनका कामकाज ठप्प हो गया है तथा परिवार में आमदनी का कोई अन्य साधन न होने के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। मेरी माताजी

एक अशासकीय विद्यालय में शिक्षिका है पर उनके अल्प वेतन से परिवार का गुजारा हो पाना असंभव है।

मान्यवर, मैं पिछले तीन वर्षो से अपनी कक्षा में सर्वोच्च अंक लेकर उत्तीर्ण होती रही हूँ। आपसे अनुरोध है कि मुझे विद्यालय की ओर से आर्थिक सहायता या छात्रवृत्ति प्रदान करें जिससे मैं आगामी कक्षाओं की पढ़ाई जारी रख सकूँ।

आपकी इस कृपा एवं सहयोग के लिए मैं आजीवन आपकी आभारी रहूँगी।

सधन्यवाद

आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या

रमा मालू

कक्षा - आठवी (ब)

2. छोटे भाई को परीक्षा में सफलता पाने पर बधाई पत्र लिखिए।

छात्रावास (कक्ष क्र 2)

दिल्ली पब्लिक स्कूल

अहमदाबाद

दिनाँक: 5 मार्च, 20 xx

प्रिय मोहित

स्नेह।

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ। कल ही पिताजी का पत्र मिला। घर के सभी लोगों की कुशलता के साथ-साथ तुम्हारा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम भी ज्ञात हुआ। यह तुम्हारे कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम भविष्य में भी इसी तरह सफलता अर्जित करोगे। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सफलता सदैव तुम्हारे कदम चूमे। पत्र के साथ ही पुरस्कार

स्वरूप कहानी की किताबें भेज रहा हूँ। माँ और पिताजी को प्रणाम, चीनी को प्यार कहना।

तुम्हारा बड़ा भाई

अमोल

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। [5]

1. खोए हुए सामान की जानकारी के लिए रिक्शा वालों के लिए सूचना तैयार करें।

सूचना

विराट नगर रिक्शा यूनियन

खोया-पाया विभाग

दिनाँक : 4 मार्च 20xx

सभी रिक्शा चालकों को सूचित किया जाता है कि गत शनिवार 3 मार्च को एक काले चमड़े का बैग, विराट नगर रिक्शा स्टैंड में छूट गया था। जिस किसी को भी वह बैग मैले तो साथ दिए नंबर 011-2XXXXX8 पर तुरंत संपर्क करें।

सचिव

राकेश त्रिवेदी

2. विद्यालय में आयोजित होने वाली वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए सूचना साहित्यिक क्लब के सचिव की ओर से विद्यालय सूचना पट के लिए लिखिए।

सूचना

साहित्यिक क्लब

वीर इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली

11 जुलाई 20 xx

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि वाद-विवाद प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं।

दिनांक - 15 जुलाई 20xx

समय - प्रातः 11 बजे

स्थान - विद्यालय सभागार

विषय - भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 15 जुलाई 20xx

तक साहित्यिक क्लब के सचिव को दें।

पंकज मिश्रा

सचिव

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।

ताहिर : कल कहाँ थे विक्रम?

विक्रम : घर पर ही था, तबियत ठीक नहीं थी।

ताहिर : क्या हुआ था? डॉक्टर को दिखाया?

विक्रम : नहीं डॉक्टर को नहीं दिखाया। वैसे कुछ खास नहीं पर क्या बताऊँ कुछ दिनों से थकान और बार-बार सिरदर्द रहता है।

ताहिर : तुम्हें व्यायाम की आवश्यकता है। दिनभर ऑफिस में बैठने से भी ऐसी समस्याएँ होती है।

विक्रम : मुझे नहीं पसंद व्यायाम करना।

ताहिर : नहीं मित्र व्यायाम से तुम्हारे शरीर में स्फूर्ति आएगी और बीमारियाँ दूर भागेगी।

विक्रम : बड़ी आलस आती है।

ताहिर : ज्यादा नहीं तो सुबह में आधा घंटा चला करो और कुछ हलकी सी कसरत कर लिया करो। मैं तो रोज सुबह चलने जाता हूँ।

विक्रम : अच्छा तो कल से मैं भी तुम्हारे साथ आऊँगा।

ताहिर : यह हुई न बात।

विक्रम : कल सुबह मिलते है।

2. पति-पत्नी के मध्य गहने खरीदने से संबंधित संवाद लिखें।

पति : जन्मदिन की बधाईयाँ।

पत्नी : धन्यवाद।

पति : महोदया को उपहार में क्या चाहिए?

पत्नी : सोने के कंगन।

पति : सोने के दाम बहुत बढ़े हुए है। कंगन तो बहुत महँगे होंगे।

पत्नी : आप ने पूछा तो मैंने बताया ।

पति : हाँ, मैं सिर्फ़ इतना कह रहा हूँ कि कुछ और ले लो। मेरे पास 25 हजार है।

पत्नी : उतने में तो सिर्फ़ छोटी चेन आएगी।

पति : ठीक है, तुम रोज पहन सकती हो।

पत्नी : ठीक है, मैं अभी तैयार होकर आती हूँ।

पति : जल्दी आना।

प्र. 16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए।

धुलाई बार से कपड़ों की करलो सफाई,
किफायती दाम में धुलाई सुहानी।
धुलाई बार

2. स्थानीय अखबार के लिए विज्ञापन बनाइए।

प्रतिज्ञा अखबार

बुझाईए अपनी नया जानने की जिज्ञासा नयी-नयी खबरों के साथ,	**रोज पढ़िए प्रतिज्ञा अखबार**